Volume-4, No. I, Feb-2017, pp.Hin.- 20-22

जपनद मुरादाबाद के माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत ग्रामीण व शहरी शिक्षकों की शैक्षिक क्षमताओं का तुलनात्मक अध्ययन

डा. धर्मेन्द्र कुमार
राशिदा बेगम पी.जी. कालिज अमरोहा उ.प्र. भारत।
मि. त्रेता देवी शोधार्थिनी

सारांश
शिक्षको की कार्य क्षमता को लेकर इस शोध लेख में अध्ययन किया गया है इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद के ग्रामीण व शहरी शिक्षकों कि शैक्षिक क्षमताओं का तुलनात्मक अध्ययन करना था इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु ग्रामीण व शहरी माध्यमिक विद्ययालयों में कार्यरत 500 शिक्षकों व शिक्षिकाओं पर किया गया जिसमें 250 ग्रामीण शिक्षक व शिक्षिकायें तथा 250 शहरी शिक्षिकाओं को सर्वेक्षण व प्रश्नावली विधि से चयनित किया गया और शोध अध्ययन के परिणामों का विश्लेषण मानक विचलन और सहसम्बन्ध विधि द्वारा किया गया और तथ्यों के विश्लेषण से शहरी शिक्षकों कि शैक्षिक क्षमतायें ग्रामीण शिक्षिकों से अधिक है और शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की शैक्षिक क्षमताओं में भी सार्थक अन्तर पाया गया है।

मुख्य शब्द– अध्ययन का उद्देश्य, शोध परिकल्पनायें, शोध में प्रयुक्त विधि, न्यायदर्श, विश्लेषण, निष्कर्ष।

प्रस्तावना

बालक जन्म लेने के उपरान्त अपने परिवार में रहता है तथा बालक के प्रथम गुरू उसके माता पिता होते हैं लेकिन बालक को यथार्थ का मूल ज्ञान उपलब्ध कराने का साधन शिक्षक ही होता है और बालक को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के लिये अच्छे शिक्षकों की आवश्यकता होती है सबसे पहले बालक प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करता है उसके बाद माध्यमिक शिक्षा और अन्त मे उच्च शिक्षा प्राप्त करता है अगर बच्चें ने अच्छे शिक्षकों के द्वारा माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की है तो वह सही से उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है तथा बालक के साथ–साथ मानव समाज व देश की उन्नति उत्तम शिक्षकों पर निर्भर करती है। समय –समय पर माध्यमिक शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं भारत सरकार द्वारा माध्यमिक शिक्षा जॉच के लिये मुदालियर आयोग की नियूक्ति की गयी थी इस आयोग ने अपने प्रतिवेदन में यह स्वीकार किया गया कि भारतीय शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्तियों व सामाजिक अर्थिक स्थिति में सुधार की आवश्यकता है।

हमारा भारत देश लगातार प्रगति की और बढ रहा है और देश के विकास में शिक्षित युवा वर्ग का महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। और अच्छी शैक्षिक स्थिति वाले शिक्षक ही अच्छे छात्रों का निर्माण करते है क्योंकि इन छात्रों में से बहुत से छात्र आगे चलकर शिक्षक बनते है और उनकी शैक्षिक स्थिति तभी अच्छी होगी तब वह अच्छी शिक्षा प्राप्त करेगें वर्तमान समय में अच्छे शिक्षकों की सेवा की आवश्यकता हैं जो कि पूर्ण सूचना प्राप्त उत्तम रूप से समायोजित अपने विषय में शैक्षिक क्षमतायें रखने वाले व अपने दायित्वों के प्रति निष्ठावान है क्योंकि शिक्षा शिक्षण पर आधारित है और शिक्षण शिक्षा पर शिक्षकों को अपने शारिरिक मानसिक नैतिक विकास हेतु अनेक प्रयास करने होते है तथा शिक्षक के व्यक्तित्व मूल्यों मान्यताओं तथा व्यवहारों का छात्रों के व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पडता है अतः इस अनुसंधान के द्वारा शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति तथा छात्रों के विशेष व्यवहारों तथा योग्यताओं का पता लगाकर उनकी शिक्षा की व्यवस्था करने में सहायता मिलेगी तथा इस शोध से यह भी पता चल सकेगा कि ग्रामीण व शहरी शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति में कैसा सम्बन्ध पाया जाता है।

अध्ययन के उददेश्य

1 माध्यमिक विद्यालयों के ग्रामीण व शहरी शिक्षकों की शैक्षिक क्षमताओं का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2 माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का विज्ञान वर्ग एवं कला वर्ग के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना।
3 माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों एव शिक्षिकाओं की शैक्षिक अभिवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध परिकल्पनायें

1 माध्यमिक विद्यालयों के ग्रामीण व शहरी शिक्षकों की शैक्षिक क्षमताओं में सार्थक अन्तर है।
2 माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की शैक्षिक क्षमताओं का विज्ञान वर्ग एव कला वर्ग के आधार पर सार्थक अन्तर है।
3 माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों एव शिक्षिकाओं की शैक्षिक अभिवृत्तियों में सार्थक अन्तर है।

शोध में प्रयुक्त विधि–

प्रस्तुत शोध में प्रश्नावली तथा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है

उपकरण–

प्रस्तुत शोध में दत्तों का संकलन के लिये शोधार्थिनी द्वारा स्वंय निर्मित परीक्षण माला तथा अन्य शिक्षाविदों में– डा0 आर पी0 सिंह एवं डा0 एस0 एन0 शर्मा द्वारा निर्मित है।

न्यायदर्श

जनपद मुरादाबाद में माध्यमिक विधालयों के शिक्षकों की शैक्षिक क्षमताओं को जानने के लियें 500 शिक्षकों व शिक्षिकाओं का चयन किया गया हैं तथा 250 ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों तथा 250 शहरी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को लिया गया है।

न्यायदर्श जनसंख्या

क ग्रामीण शिक्षक	–	250
ख शहरी शिक्षक	–	250
ग्रामीण माध्यमिक विद्यालय	–	50
शहरी माध्यमिक विद्यालय	–	50

सांख्यिकीय

प्रस्तुत शोघ में निम्न लिखित सांख्यिकी का प्रयोग किया गया है।

1 मध्यमान
2 मानक विचलन
3 सह सम्बन्ध
4 सार्थक अन्तर

विश्लेषण

शोधकर्त्री को सही निष्कर्ष तभी प्राप्त हो सकता है जब संकलित आंकडों का विश्लेषण सही प्रकार से किया जाऐं।

विश्लेषण व्याख्या परिणाम

तालिका–01 शैक्षिक अभिवृत्ति ग्रामीण शिक्षकों एवं शहरी शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति कुल प्रतिदर्श के आधार पर

समूह	प्रतिदर्श	मध्यमान	मानक विचलन	अलोचनात्मक अनुपात
ग्रमीण	250	72.55	4.15	4.393
शहरी	250	74.60	6.10	

05 एवं 0.1 स्तर पर सार्थक अन्तर है–

तालिका संख्या–1 में ग्रामीण तथा शहरी माध्यमिक विघालयों के शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति को सम्पूर्ण प्रतिदर्श के आधार पर दर्शाया गया है। शैक्षिक अभिवृत्ति हेतु ग्रामीण तथा शहरी शिक्षकों का मध्यमान क्रमशः 72.55 एंव 74.60 पाया गया है। मानक विचलन क्रमशः 4.15 एव 6.10 है। अतः तालिक से ज्ञात होता है कि शहरी शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति 74.60 ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति 72.55 से अधिक हैं इनका संख्यकीय से अन्तर हेतु आलोचनात्मक अनुपात की गणना की गयी तथा दोनों के लियें अनुपात 4.393 पाया गया जो कि 0.5 स्तर पर तथा .01 स्तर पर सार्थक है अतः तालिका से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण शिक्षकों की तुलना में शहरी शिक्षा के प्रति अधिक शैक्षिक अभिवृत्ति पायी गयी है।

तालिका–02 ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक–अभिवृत्ति लिंग संकाय एव क्षेंत्रबद्ध के आधार पर

क–पुरूष एवं महिला शिक्षिकायें

ख–कला एवं विज्ञान वर्ग के शिक्षक

ग–ग्रामीण एवं शहरी शिक्षक

	समूह	प्रतिदर्श	मध्यमान	मानक	आलोचनात्मक
क	पुरूष शिक्षक	125	68.60	4.62	10.88
	महिला शिक्षिकायें	125	76.91	7.18	
ख	कला शिक्षक	125	77.16	6.90	9.912
	विज्ञान शिक्षक	125	68.35	7.15	
ग	ग्रामीण शिक्षक	125	70.88	6.92	10.268
	शहरी शिक्षक	125	77.62	7.79	

.05 स्तर पर तथा .01 स्तर पर सार्थक अन्तर है

क पुरूष एवं महिला शिक्षिकायें

तालिका संख्या–2 क में पुरूष एवं महिला शिक्षिकाओं को शैक्षिक अभिवृत्ति हेतु दर्शाया गया हैं पुरूष एवं महिला शिक्षिकाओं में शैक्षिक अभिवृत्ति एवं मध्यमान क्रमशः 68.60 तथा 76.91 है तथा मानक विचलान क्रमशः 6.62 एवं 7.18 पाया गया है अतः तालिका द्वारा ज्ञात होता है कि महिलाओं में शैक्षिक–अभिवृत्ति 76.91 पुरूष की तुलना में 68.60 से अधिक है इनका सांख्यिकीय रूप से अन्तर देखने हेतु आलोचनात्मक अनुपात की गणना की गयी है ग्रामीण शिक्षकों पुरूषों एवं महिलाओं की शैक्षिक अभिवृत्ति के आधार पर दोनों समूहों के लिए क्रान्तिक अनुपात 10.881 पाय गया है जो कि .05 स्तर पर तथा .01 स्तर पर सार्थक है।

अतः उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है की पुरूषों की अपेक्षा महिलाओं में शिक्षा के प्रति अधिक शैक्षिक अभिवृत्ति है।

ख कला तथा विज्ञान वर्ग के शिक्षक

तलिका संख्या–2 ख में ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षिकों की शैक्षिक–अभिवृत्ति हेतु कला तथा विज्ञान के आधार पर दर्शाया गया है कला वर्ग एवं विज्ञान वर्ग के शिक्षकों में अभिवृत्ति एवं माध्यमान क्रमशः 77.16 एवं 68.35 पाया गया है तथा मानक विचलन क्रमाशः 6.15 पाया गया है।

अतः तालिका के मध्यमान द्वारा ज्ञात होता है कि कला शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति 77.16 विज्ञान के शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृति 68.35 की तुलना में अधिक है इनका सांख्यिकीय रूप से अन्तर देखने हेतु आलोचनात्मक अनुपात की गणना की गयी है कला वर्ग के शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति के आधार पर दोनों समूहों के लिए क्रान्तिक अनुपात 9.912 पाया गया है जो कि .05 स्तर पर तथा .01 स्तर पर सार्थक है।

अतः उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि कला वर्ग के शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति की तुलना में अधिक है।

ग–ग्रामीण एवं शहरी शिक्षक

तालिका संख्या–ग में ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को शैक्षिक अभिवृत्ति हेतू ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र के आधार पर दर्शाया गया है ग्रामीण तथा शहरी शिक्षकों के मध्यमान क्रमशः 70.88 एवं 77.62 पाया गया है। अतः तालिका के मध्यमान द्वारा ज्ञात होता है कि शहरी शिक्षकों की शैक्षिक सांख्यिकीय रूप से अन्तर देखने हेतु आलोचनात्मक अनुपात की गणना की गयी है ग्रामीण क्षेत्र एव शहरी क्षेत्र के शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति के आधार पर दोनों समूहों के लिये क्रान्तिक अनुपात 10.268 पाया गया है जो कि .05 स्तर तथा .01 स्तर पर सार्थक है।

अतः उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि शहरी शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति ग्रामीण शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृति से अधिक है।

निष्कर्ष

1. महिलाओं शिक्षिकाओं में शिक्षा के प्रति शैक्षिक अभिवृत्ति पुरूष शिक्षकों की शैक्षिक अभिवृत्ति से अधिक है।
2. माध्यमिक विद्यालय के ग्रामीण एव शहरी शिक्षकों की तुलना में शहरी शिक्षक के प्रति अधिक शैक्षिक अभिवृत्ति पायी गयी।
3. कला वर्ग के शिक्षकों की अभिवृत्ति विज्ञान वर्ग के शिक्षकों कि तुलना में अधिक है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. बार ए. एस. 1967 डिफींनसिस इन टींचिग पर फारमेंस ऑफ गुड एण्ड पुअर टीचर्स ऑफ सौशल स्टडीज
2. ओ0 पी0 शर्मा 1980 वॉट अदर रिसपोन्सिविलिटीज ऑफ ए नॉरमल स्कूल टीचर एजूकेशनल एडमिनिस्टेशन एण्ड सुपर वीजन इन क्लूजिव टीचर ट्रेनिंग
3. रीड एच के पेट्रिक 1981 फ्यूचर रिसर्च इस्यू इन टीचर एडयूकेशन रिव्यू
4. व्यास एच0 और व्यास के0 2004 शैक्षिक प्रबन्ध और शिक्षा कि समस्याये नई दिल्ली आर्य बुक डिपो
5. वालिया जे0 एस0 2007 माध्यमिक शिक्षा वा स्कूल प्रबन्ध जालन्धर पॉल पब्लिर्शस
6. गैरेट एच ई0 2011 शिक्षा व मनोविज्ञान में सांख्यकी कल्याणी पब्लिशर्स लुधियाना नई दिल्ली।
7. अमर उजाला 2013 मुल्यांकन कार्य का बहिष्कार करेगें शिक्षक दिनांक 24–04–2013